रात्रि क्लास 11/12/68 ओम शान्ति शिवबाबा याद है?

कोई न कोई आदत अपने में डालनी चाहिए। यह तो बच्चे जानते हैं हम यह राजधानी स्थापन कर रहे हैं, तो फिर पुरानी दुनिया तो भूल ही जानी चाहिए। इस पुरानी दुनिया में रहते हुए, बच्चे जानते हैं हम योगबल से यह राजधानी स्थापन कर रहे हैं अपने लिए कल्प-कल्प मिसल। यही अपना राज्य स्थापन करते हैं। यह बाबा युक्तियाँ बताते हैं। चित्र तो सभी अपने पास रख सकते हैं। सोने समय यही ख्याल रहे हम यह स्थापन कर रहे हैं। तो ज़रूर .... जाना है। ऐसी-2 युक्तियाँ बच्चों में रहे तो खुशी रहेगी। समझो दिन में कुछ खिट-2 होती है, रात को यह देखे समझेंगे हम यह स्थापन कर रहे हैं, हर 5000 वर्ष बाद यह स्थापन करते हैं। सारा चक्र बुद्धि में आ जाता है। बाप युक्तियाँ बता रहे हैं। दैवीगुण भी चाहिए ज़रूर। दुविधा न होनी चाहिए अर्थात खराब ख्याल न होना चाहिए। बाबा समझते हैं ऐसी प्रैक्टिस करने से बच्चे दिन-प्रतिदिन हर्षित होते रहेंगे; क्योंकि वह खुशी ही अन्त मते सो गति होती है। ऐसे बहुत हैं जो कृष्ण का, शिव का चित्र रख देते हैं, अर्थ कुछ नहीं। तुम यर्थाथ अर्थ समझते हो। भक्तिमार्ग में तो कुछ नहीं जानते हैं। तुम जानते हो हमने अनेक बार यह अपनी राजधानी स्थापन की है। इसमें याद की यात्रा भी आ जाती है। बाबा ने समझाया है म्युज़ियम एक बार स्थापना कराया। जो हुआ सो ड्रामा अनुसार पास्ट हो गया। फिर आगे के लिए समझाया जाता है। ऐसा न होना चाहिए। पहले-2 यह ल॰ना॰ का चित्र ही आकर देखे। इन पर तुम अच्छी रीत समझा सकते हो। नई दुनिया की स्थापना हो रही है। पुरानी दुनिया का मौत सामने खड़ा है। समझते भी हैं कल-परसों भी मौत हो जाए तो नियम नहीं। ऐसे होने से ही वर्ल्ड वॉर लग जाती है। आगे लड़ाइयाँ आदि एक/दो में करते थे। अभी तो है वर्ल्ड वॉर। तो यही होनी है। इनको पूरी वर्ल्ड वॉर कहा जाता। आगे चीन थोड़े ही लड़ा था। जब लड़ाई लगी थी। अफ्रिका, अमेरिका भी नहीं लड़ा था। भल भारत ने मदद दी थी। यह तो बच्चे जान चुके हैं और बाप ने भी समझाया है यह सारी दुनिया खत्म होनी है। गुप्त लड़ाई है तुम बच्चों की, जिसको इनकॉगनिटो कहा जाता है। शिवशक्ति भारतमाता। वन्दे मातरम्। राज्य भी करते हो फिर पूज्य भी बनते हो। निश्चय में यह (ल॰ना॰) चित्र बहुत मदद करती है। बाबा अनुभव बताते हैं। चित्र रखने से बहुत खुशी रहती थी। बहुत प्यार करता था। ड्रामा अनुसार देखो कैसी कुदरती है जो अभी वही याद करते हैं, हम यह बन रहे हैं। आगे यह पता नहीं था, सिर्फ प्यार करते थे। भिन्न-2 प्रकार की ठाकुर होते हैं ना। छोटेपन से बहुत प्यार किया इनको। तो बच्चों को भी राय देते हैं यह युक्ति अच्छी है। बहुत हैं जो अनेक प्रकार के घुटके खा-खाकर सो जाते हैं। तो दुख में यह चित्र बहुत सहारा बन सकते हैं। तुम जानते हो बाबा हमको यह बना रहे हैं, हम यह बन रहे हैं। रात को याद करने से दुख दूर हो जाते हैं। बाबा आते ही एम-ऑबजेक्ट को देखते हैं। कितनी मीठी एम-ऑबजेक्ट है। मेहनत की बात नहीं। बेहद का बाप हमको यह बना रहे हैं। यही ज्ञान है, जास्ती तकलीफ है नहीं। हम जानते हैं पुरानी दुनिया खत्म होनी है, हम यह बन रहे हैं। बाबा की श्रीमत पर हम स्थापन कर रहे हैं तो विनाश भी ज़रूर होगा ना। कितनी थोड़ी बात याद करने की है। सेकण्ड की बात है। ऐसे प्रैक्टिस करते रहेंगे तो खुशी का पारा चढ़ता रहेगा। चित्र अपने बेडरूम में रखा हुआ हो। चित्र तो छोटे भी हैं। यह बहुत मदद देती है। भक्तिमार्ग में इनका ऑक्युपेशन नहीं जानते हैं। तुम तो सभी के ऑक्युपेशन को जानते हो। ऐसा कोई मनुष्य दुनिया में होता नहीं जिसको एक की भी ऑक्युपेशन का पता हो। तो अन्दर में खुशी होनी चाहिए ना। किसको भी समझाते हो, बोलो– बाबा, ब्रह्मा द्वारा यह स्थापन करते हैं विष्णु की राजधान(ी)। इसमें सभी आ जाते हैं। शिवबाबा के चित्र पर भी लिखा हुआ है परमपिता परमात्मा शिवबाबा। यह भी बुद्धि में है हूबहू जैसे कल्प-2 हम राज्य लेते हैं। निश्चय बुद्धि विजयन्ति। यानी विजय माला में पिरोए जावेंगे। रात को बच्चों को हेर पड़ जावे तो फिर दिन को भी चलेंगे। बैज तो मिला है बच्चों को। आगे भक्तिमार्ग में चुमन करते थे। अभी याद करना है। इस नई दुनिया में हम जाते हैं। तुम्हारी उन्नति बहुत (होगी। समय बहुत नज़दीक)

होता जाता है। ऐसे नहीं सारी दुनिया में एक-एक के पास जाकर मैसेज देना है। थोड़ा आगे चलो, नाम बाला हो फिर तो अखबारों द्वारा आवाज़ होगा। कोई बड़ा आदमी आए और ठका हो जाए। इन्हों का बेहद के बाप से वर्सा पाने का बहुत उपाय है, ऐसा कह दिया तो बस, ढेर तुम्हारे पास आ जावेंगे। आवाज़ तो ज़रूर निकलना है। शास्त्रों में गायन है तुम शक्तियों ने बाण मारी है। यही लिखना है ब्रह्माकुमारियों पास ज्ञान बाण है। यह है ही सहज राजयोगबल। किसको सीखना हो तो इनके पास जाओ। भल खुद न समझे; परन्तु सिर्फ ऐसे ही कह दे तो कोई को तीर लग जाए। नामाचार तो निकलना ही है। सेकण्ड में तुम बाप से वर्सा पा सकते हो। अगर अच्छी रीत विचार-सागर-मंथन करेंगे तो तुमको राय अच्छी लिखेंगे। पक्के बन जावेंगे। आठ की ही अंगुली दिखाते हैं। बस, बेड़ा पार हो गया अर्थात पुरानी दुनिया से नई दुनिया में गए बेड़ा पार। फिर पुरानी दुनिया में आने से बेड़ा गर्क हो जाता है। टाइम तो वही लेते हैं नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। रात को सोने समय समझो ऐसे विचार करो पास्ट इज़ पास्ट। जो कुछ हुआ नथिंग न्यू। प्वाइंट्स तो बहुत अच्छी समझाई जाती है। यह ड्रामा है ना। बाप कहते हैं सिमरण करते रहो। फिर औरों को भी सुनाओ। चक्र फिरता ही रहता है। यही याद करेंगे तो जैसे चक्र बुद्धि में फिरता रहेगा। अन्त में बच्चों को बहुत सहज भासता है। अच्छा, मीठे-2 रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का यादप्यार, गुडनाइट और नमस्ते।